B- 4
L- 3
Indian Society

परम्परागत भारतीय समाज के प्रमुख लक्षण→

- परम्परागत मूल्य व्यवस्था
- धर्म की प्रधानता
- पुरुषार्थ (धर्म, अर्थ, काम व मोक्ष)
- ऋण व यज्ञ का सिद्धांत
- कर्म व पुनर्जन्म का सिद्धांत
- संस्कार
- आश्रम व्यवस्था
  ↓
  (i) ब्रह्मचर्य आश्रम - (0-21 वर्ष)
  (ii) गृहस्थ आश्रम - (21-50 वर्ष)
  (iii) वानप्रस्थ आश्रम - (50-75 वर्ष)
  (iv) सन्यास आश्रम - (75-100 वर्ष)

- वर्ण व्यवस्था
- जाति व्यवस्था
- आर्थिक व्यवस्था

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform